प्रेषक

के०सी०मिश्र, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

अधिशासी अधिकारी सम्बन्धित नगर पंचायत, उत्तरांचल (संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून = दिनांक : 17 जुलाई, 2004

विषय:--राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार वालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरपंचायतों को से धनराशि का संक्रमण (द्वितीय तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के अधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपंचायतों को सलंग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु रू० 12834000.00 (सं० एक करोड़ अद्हाईस लाख चौदीस हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 2- उपर्युक्त धनराशि निग्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन सक्रमित की जा
- (1) नगर पंचायतों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश रोका गया है जो प्रतिवेदन के प्रस्तर 21.5 के अन्तर्गत प्रस्तर 22.5 व 22.6 के अनुसार राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की संस्तुति पर अवमुक्त किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिमाही किश्तों में अवमुक्त किया जायेगा। तदनुत्तार द्वितीय किश्त अवमुक्त की जा रही हैं।
- (2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताप्तरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जाएगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से व्यावर्तन / समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।
- (3) नगर बिकास विमाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर सख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।
- (4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य / वरिंड / लेखाविकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी और्शी भी

स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्ता में किसी प्रकार का विद्यलन हो तो दित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004—05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या—07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक —3604—रथानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षितिपूर्ति तथा समनुदेशन— आयोजनेतर—01—नगरीय स्थानीय निकाय—193—नगरपंचायतें / नोटीफाइट एरिया / कमेटी आदि—03 राज्य विल आयोग द्वारा संस्तृत करों से समनुदेशन—00—20—सहायक अनुदान / अंशदान / राज्य सहायता के नाम डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय, (कं0सीं0 मिश्र) अपर सचिव (वित्त)।

संख्या- 5 44 (1) / वि०अनु०-1 / 2004 तद्दिनांकः प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

महालेखाकार, उत्तरांचल , इलाहाबाद ।
सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल ।

3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।

4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।

5— निदेशक, कोषागार, वित्त सेवार्थे, देहरादून।

6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोपाणिकारी उत्तरांचल।

7- विभागीय अधिकारी/वित्त नियत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकरी जैसी भी रिथति हो।

B— निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, जलारांचल।

9- एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

2 5000

(के०सी०मिश्र) अपर सचिव (वित्त)।

,शासनादेश संख्याः-544/वि० अनु०-1/2004 दिनांकः--) 7 जुलाई,2004 का संलग्नक

(धनराशि हजार में)

	(धनरास हजार न)	
oif or	नगर पंचायत का नाम	प्रस्तावित आवंटन की घनराशि
1	2	3
1-	बङ्कोट	400
2-	गंगोत्री	40
3-	बदीनाथ	55
4-	केदारनाथ	31
5-	नन्दप्रयाग	328
6-	कर्णप्रयाग	458
7-	क दप्रधाग	656
8-	गोचर	479
9-	मुनिकीरेती	431
10-	क्रीतिनगर	328
11-	देवप्रयाग	328
12-	चम्या	431
13-	डोईवाला	440
14-	हरबर्टपुर	505
15	कालाबुं गी	335
16-	भीयताल	321
17-	लालकुओं	357
18-	दिनेशपुर	484
19	सुल्तानपुर	422
20-	केलाखेडा	425
21-	शक्तीगढ	26*
22-	महुआडाबरा	334
23-	महुआखेडागंज	484
24-		328
	द्वाराहाट डीडीहाट	329
25		42
26-	घारचूला	650
27-	यम्पावत लोहाघाट	38
23-	अंबरेंडा	51:
29- 30-	लण्डोरा	870
31-	लक्सर	99
	योग:	1283

(क्त एक करोड़ अठ्ठाईस लाख चीतीस इजार मात्र)

(कंoसीo सिश्र) अपर सचिव, वित्त। उत्तरांचल शासन।